ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਦਾ ਖਾਲਸਾ, ਵਾਹਿਗੁਰੂ ਜੀ ਦੀ ਫਤਿਹ

ਥਿਰੁ ਘਰਿ ਬੈਸਹੁ ਹਰਿਜਨ ਪਿਆਰੇ॥ ਸਤਿਗੁਰਿ ਤੁਮਰੇ ਕਾ ਜਸਵਾਰੇ॥
ਦੁਸਟ ਦੂਤ ਪਰਮੇਸ ਰਿਮਾਰੇ॥ ਜਨਕੀ ਪੈਜ ਰਖੀ ਕਰਤਾਰੇ॥

ਬਾਦਿਸਾਹ ਸਾਹ ਸਭ ਵਸਿ ਕਰਿ ਦੀਨੇ॥ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਨਾਮ ਮਹਾਰਸ ਪੀਨੇ॥
ਨਿਰਭਉ ਹੋਇ ਭਜਹੁ ਭਗਵਾਨ॥ ਸਾਧ ਸੰਗਤਿ ਮਿਲਿ ਕੀਨੋ ਦਾਨੁ॥

ਸਰਣਿ ਪਰੇ ਪ੍ਰਭ ਅੰਤਰਜਾਮੀ॥ ਨਾਨਕ ਓਟ ਪਕਰੀ ਪ੍ਰਭ ਸੁਆਮੀ॥

ਰੂਹ

ਤੋ ਦਿਲ

ਦਿਯਾਂ ਗਲ੍ਲਾਂ

ਰੂਹ ਤੋਂ ਦਿਲ ਦੀਆਂ ਗੱਲਾ

Writer

Sunny Singh

BlueRose ONE.com
Stories Matter
NewDelhi • London

BLUEROSE PUBLISHERS
India | U.K.

Copyright ©Sunny Singh

All rights reserved by author. No part of this publication may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise, without the prior permission of the author. Although every precaution has been taken to verify the accuracy of the information contained herein, the publisher assume no responsibility for any errors or omissions.
No liability is assumed for damages that may result from the use of information contained within.

BlueRose Publishers takes no responsibility for any damages, losses, or liabilities that may arise from the use or misuse of the information, products, or services provided in this publication.

For permissions requests or inquiries regarding this publication, please contact:

BLUEROSE PUBLISHERS
www.BlueRoseONE.com
info@bluerosepublishers.com
+91 8882 898 898
+4407342408967

ISBN: 978-93-7018-841-9

Cover design: Sunny Singh

First Edition: March 2026

Let's Rock

Heart Beat Enterement's

Doon Da Maan

Pop & flok Singer & Writer

Sunny singh

Stylish Starz

My supporting Team

Name of

- **Special Person:** Late Amit Manav Sharma Ji (Ludhiana Punjab)
- Vijay Mitter
- Rajendra Malhar
- Raju Rahi
- Komal Sharma
- Soniya Sharma
- Bhupendra Singh (Guiter Specialist)
- Tejwant Kittu (Musical Director Ludhiana)
- Isha Dave

Special Thanks

- Director : Sushil Kumar
- Associate Director : Nitin Munot Jain

Supporting Friends

- Bhavna Sharma
- Khushi Sharma
- Madhu Sharma
- Abhinav Vashish

अनुक्रमणिका

वाहेगुरू (शब्द.किर्तन) 1
गुरूआ पिरा दी गल 2
साडा तरिका कुछ और है। 3
बीछोडा 4
दोस्ती लेख 6
लेख : पसन्द और प्यार मे अंतर 8
प्रस्तावना 12
पंजाबी विरसा 15
गल करदी त चंगी होन्दी 16
अधुरी कहानी 17
तेरी मर्जी 19
सुपणा 20
प्यार सिखा गई कुड़ी (पंजाबी गीत) 21
रूहा दा ईश्क 22
इक तारा बोले (पंजाबी गीत) 23
नखरे वाली कुडी (पंजाबी गीत) 25
ईश्क विच जोगी 26
सुपणा–2 27
रोया ना कर 28
कवितावा लिखदा रेहा 29
रूहा दा ईश्क 30
ईक मुस्कान 31
मैनु प्यार हो गया 32
दूरियाँ विच एहसास 33
इश्क दी बरसात 34

रूहा दा प्यार 35
वक्त भी नही 36
पहली मुलाकात 37
साथ दे दे 38
आखियाँ दी खुशी 39
जिस्म 40
हवावा दा ईश्क 41
चाँद बाबे नाल गल किती सी 42
शायर दे अल्फाज 43
बुटा ईश्क दा 45
गल कर ले यारा 46
अपणे रूह दी गल 48
असी तेरे शहर आये सी 49
ईश्क दा एहसास 50
मैल करा दे रब्बा 51
रूह विच वसण नु जी करदा 53
ईश्क दी बाजी 54
कोयल दी कूक 55
सुपणा–3 56
केडी गल लिखा 57
जिस्मा तो कि लेणा 59
यादा दा सिकन्जा 60

वाहेगुरू (शब्द कीर्तन)

वाहेगुरू तेनु आज कुछ कहणा चोन्दा
तु वी आज गल सुनले सगते.....

उठजा जा आज अमृत वैले नु
खोल ले तु दिल दे बुहे नु

नहा धो के, पाठ करके.....
आज तु गुरूघर विच जाणा है।

गुरूघर विच जाके, शिश झुका के
खुशीया दा वेडा पोणा ऐ.....

अपणे दिल दी हर गल नु
वाहेगुरू नाल वडोणा ऐ

खुशीया दा बुटा लेके घर नु
अपना वेडा सजोणा ऐ

खुशीया घरे ओणगीया हुण ते
प्रभात फैरी नु घर बुलोणा ए

गुरूआ पिरा दी गल

गुरूआ पिरा दी मै आज गल सुणावा
अपणे दिलो मै आज पुकार लगावा
गुरूआ पिरा दे मै, चरणी बेके
गुरूआ दी शिक्षा नु मै मत्थे लावा

जेडी शिक्षा सानु गुरूआ ने दित्ती है
असी वी आज ईक बाणी पढ लेई ऐ
वाणी नु अमल करदे होये
आपा वी जिन्दगी दी कहानी सिख लेई ऐ

गुरूआ पिरा दी कहानी नु
आपा वी आज लोका नु सुणा देई है
लोका दे दिला उते आज कहानी दी
ईक ईक गल पहुचा देई ऐ

जेडी गुरूआ दी कहानी नु
असी भुल बैठे सी
कहानी राही आज गुरूआ दी कुरबानी दी गल
लोका कोल आज पहुचा देई ऐ.....

साडा तरीका कुछ और है।

डफली दी डूग डूग दा
ईशारा कुछ और है।
समुद्र दी गहराई दा
किनारा कुछ और है।

रब आगे अरदास करण दा
साडा तरीका कुछ और है।

ग्रन्थ साहब दी बाणी दा
बाणी नु अमल करण दा
साडा तरीका कुछ और है।

गुरू घर विच रागी नु
रागा विच शब्द गोण दा
साडा तरीका कुछ और है।

पाठी नु पाठ करण दा
सगत नु निहाल करण दा
बोले सोनिहाल दे जयकारे लोण दा
साडा तरीका कुछ और है।

बिछोडा

किसे कुड़ी नु ईश्क करके वैख ते यारा
औदी अखिया तो दूर होके वेख ते यारा
पता चलजुगा कि, बिछोडा होन्दा कि है।

किसे माँ दी अखिया तो ओदा पुत दुर करके वैख ते यारा
उस रोन्दी माँ दे अथरू तेनु दस देणगे
की बिछोडा होन्दा कि है,

किसे दी अक्खाँ दी रोशनी छीन के वैख ते यारा
ओदी बिन रोशनी दी अक्खाँ तेनु दस देणगी
रोशनी ते बिन अक्खाँ दा बिछोडा होन्दा की है

किसे राही तो ओदी मन्जिल भटका के
वैख ते यारा, तेनु पता चलजुगा
राही दा बिन मन्जिल तो बिछोडा होन्दा की है

ईक कुडी नु डोली बेन्देया होया पुछो
माप्पेया तो दुर होन्देया होया पुछो
ओदे अथरू तेनु दस देणगे, कि बिछोडा होन्दा कि है।

इस दुनिया दे राही नु इस दुनिया तो
विदा होन्दे होया पुछो
ओदे परिवार नु हिक नाल ला के पुछो

तेनु पता चलजुगा कि, बिछोडा होन्दा कि है।

साडी कोम दे सन्त सिपाही श्री गुरू गोविंद सिंह जी
दे दिल तो पुछो
चार साहिब जादेया नु अक्खिया
तो दुर होन्देया होया पुछो
पता चलजुगा, कि बिछोडा होन्दा कि है।

दोस्ती लेख

दोस्तो हमारी जिन्दगी मै एक ऐसा दोस्त जरूर होना चाहिए जो आपका अंग संग का साथी हो। जो आपके अच्च्छे और बुरे वक्त मे आपका साथ दे और आपको आपकी खुबीयो से वाकीफ करवाये।

जब भी दोस्ती मे आपको या आपके दोस्त को आपकी जरूरत हो, तो बिन परवाह करे आप अपनी दोस्ती का फर्ज निभाने सबसे पहले खडे हो।
एक सच्ची दोस्ती जिन्दगी जिने के मायने बदल देती है। जहाँ सच्ची दोस्ती या प्यार हो वहाँ आप अपने दिल की हर बात कह पाते हो। और एक सच्चा दोस्त आपको जिन्दगी जिनें की सही राह दे सकता है। ..

एक ऐसा दोस्त जिसने मुझे भी मेरी जिन्दगी के मायने से वाकिफ करवाया दूर हो कर भी मेरे अंग संग मेरे साथ खडा रहा, और मुझे मेरी राह दिखाई उस दोस्त के कारण ही **रूह तो दिल दियां गल्ला** कविता की किताब लिखने मे मैं कामयाब
हो पाया और दोस्त के साथ और स्पोर्ट से किताब का पहला अक्षर रूह नाम दे कर ईक कविता की किताब लिखने की शरूआत कि और किताब का संदेश

ये है कि प्यार ईश्क मोहब्बत को रूह और आत्मा से जोडा जाए।
आज कल के दौर मे प्यार को ईश्क का नाम देकर जिस्म का खेल खैला जा रहा है। इस कविता की किताब के माध्यम से प्यार ईश्क मोहब्बत को रूह और आत्मा से जोडने की कोशिश की गई है।

जिस्म ..... जिस्म को समाज प्यार का नाम दे कर खेल खेल रहा है जिस जिस्म के खातीर आप प्यार कर बैठे हो जब एक दिन जिस्म डल जायेगा, तो आप प्यार किस से करोगे। अगर प्यार रूह से किया होता तो आज समाज प्यार को रूह मे आबाद या महकता हुआ देखता।

लेख
पसन्द और प्यार मे अंतर

जब हम अपनी जिन्दगी मे किसी ना किसी व्यक्ति को पसन्द करते है। तो ये जरूरी नही है कि आप उस व्यक्ति को पसन्द कर रहे हो, पसन्द ना पसन्द किसी को भी किया जा सकता है। एक व्यक्ति को, एक फुल को, ना जाने ऐसी कौन.कौन सी वस्तुओ को हम अपनी खुबसुरत पसन्द बना लेते है। ....मगर हम ये भुल जाते है। जिसे हम पसन्द करते है उस व्यक्ति को कही ना कही हम दुख भी दे रहे होते है।

मगर जिसे हम पसन्द करते है। मगर हम ये नही जानते हम पसन्द तो कर बैठे है। उसे हम कही ना कही दुख भी दे रहे हाते है क्यो की पसन्द आने वाली कोई चीज या कोई फुल और तो और पसन्द आने वाला वो व्यक्ति जब तक हमारे काम आ रहा होता है। तब तक वो व्यक्ति हमारी पसन्द **रहता** है जब वो व्यक्ति हमारी ना पसन्द बनने लगता है , तो हम उसे किसी न किसी बहाने से अपने से दूर कर देते है।

ये पसन्द की परिभाषा है।

उदाहरण Ist

एक काम करते है एक गुलाब के फूल के पोधे का उदाहरण लेते है,

जैसे हम गुलाब के फूल को हम पसन्द करते है तो उसे उस पौधे से तोड़ते जरूर है। क्यो कि हम अपने किसी खास व्यक्ति को इमप्रेस करने के लिए फुलो का सहारा जरूर लेते है। तरह तरह के स्पेशल मौके पर हम **इन** फुलो को शामिल कर लेते है।

जब तक **इन** फुल से हमारा काम नही निकल जाता, तब तक ये फुल या गुलदस्ता हमारी पसन्द का रहता है। जब ये फुल या गुलदस्ता हमारे किसी काम का नही रहता, तो हम इस फुल को या फुलो के गुलदस्ते को कुडे मे फैक देते है। फुल को पसन्द करते है, तो तोडते है। तोडते है तो,इस फुल से अपना काम निकाल रहे होते है। काम निकलते ही इसे कुडे मे फेक देते है।

इश्क का उदाहरण IInd

यदि हम उस फुल से प्यार, इश्क, मोहब्बत कर रहे होते। तो हम उस फुल को अपने दिल और आत्मा को एक करके उस गुलाब के फुल या पौधे की केयर कर रहे होते, उसका ध्यान रख रहे होते, उसको प्यार दे रहे होते, या पानी.खाद देकर उसे सिच रहे होते तो कभी उस पौधे की गुडाई कर.कर उस पौधे का ख्याल रख रहे होते और प्यार मै वो ताकत है। प्यार से एक व्यक्ति से ले कर पौधे तक पनप जाते है।

उदाहरण IIIrd.

चलो एक उदाहरण और लेते है। एक साथ दो पौधे लगाओ दोनो का बराबर ख्याल केयर करो, एक पौधे से इश्क,प्यार करते है। और एक पौधे से नफरत करते है। मगर ख्याल रखना दोनो पौधो मे प्यार और नफरत मे कमी ना रहे। देख लेना होगा वही जो प्रकृती का नियम है। जिस पौधे को आप नफरत कर रहे थे। वो पौधा बिल्कुल पनपा नही होगा।

जिस पौधे को आपने अपनी रूह के साथ जोड कर बेशुमार प्यार के साथ.साथ केयर दी है। वो पौधा प्रकृती के नियम से पनपा भी होगा और बड़ा भी हुआ होगा और उस पौधे मे खुबसुरत फुल भी आये होगे। ये ही पसन्द और प्यार कि परिभाषा है।

प्रस्तावना

हर दिल दे अंदर कुछ ऐहोजी यादा बस जान्दिया ने, जेडी जुबा उते नही आ पोन्दी। रूह तो दिल दियां गल्लां किताब ओह एहसास दा नाम है!

जो दिल दी गहराई तो रुह दे, प्यार दी सच्चाई नु बयान करदी है, ये पाक पवित्र ईश्क नाल जुडी होई **है** ! रूह तो दिल दियां

गल्लां कोई साधारण कविता सग्रह नही बल्कि दिल्ला दे वेहडे विच्चो निकले होये ओह जज्बात ने जो ईश्क नु रुह तो दिल नाल जोडदे ने..ना कि जिस्म नाल! इस किताब दे हर शब्द ते अल्फाज सायर लेखक दे जज्बात ने जो ईश्क नु समझदा ऐ, महसुस करदा ऐ, पर शायद कह नही पोन्दा, जदो अल्फाज चुप हो जाण ते बोल उठदी ऐ! रुह **तो दिल दियां गल्ला** दे **ओह** किताब दे **अल्फाज़** किताब **द** मकसद सिर्फ कवितावा पढ़ना पढ़ोना नही बल्कि उनहा दिला तक अपनी गल पहुचाणा **वी** है! जेडे आज वी अपणे प्यार ते ईश्क दे एहसास नु छुया के

बैठे ने! जिवे ईक किताब बिन बढ़े मुकम्मल नही होन्दी, ओन्दा ही ईक किताब ओदो तक अधुरी है। जदो किताब नु **पढ़न** वाला प्रेमी रूह तो दिल दियां गल्लां किताब नु पढ़ न लेवे! रुह तो दिल दिया गल्ला किताब दा असली मकसद: प्यार नु रूह तो रूह नाल जोड़ना है

जेडे आपणे ईश्क ते मोहब्बत नु ब्या नही कर पान्दें ने, **ओह** ईश्क **दी** किताब नु पढके अपने जज्बात ते स्हजास नु समझ सकिये, आपणे दिल ही गल **बोल** सकिये आपणे दिल **दी** गल अपणे दिलबर नु कह सकिये –

माँवा ठण्डीयाँ छाँवा ये छाँवा कौन करें
माँवा दे हरजाने लोको कौन करें
पुत कपूत बणे सौ वारी
माँ रहन्दी माँ बणके
पुत्रा दे लेई खेरा मंगदी
फैर-फैर के मणके
माँवा ठण्डीयाँ छाँवा ये छाँवा कौन कर

Professional Actress

Honey Mehra

From Chandigar

पंजाबी विरसा

चलो जी आज पंजाबी विरसे की बात करते है।
आज हम अपने अपनो से मुलाकात करते है।

कभी फुलकारी, कभी सग्गी फुल
तो कभी चुडे की बात करते है।

चलो जी आज पंजाबी मुटयार के
उस पहनावे से मुलाकात करते है।
चलो जी आज पंजाबी विरसे की बात करते है। .....

पंजाब मे बहती पाच दरियाओ की बात करते है।
दरियाओ से पहले पाचं तख्त के आगे
सिर झुका के हम अरदास करते है।

जो कोम के लिए शहीद हुए
ऐसे गुरूओ पिरो की बात करते है।

जो पंजाब कि मिट्ठी मे जो जन्मे विर.योद्धा
उन योद्धाओ की मिट्ठी से मुलाकात करते है।

चलो जी आज पंजाबी विरसे की बात करते है।

गल करदी त चग्गी होन्दी

गल करदी त चग्गी होन्दी
मेरी गल समझदी त चग्गी होन्दी
जेडी गल तु दिल विच छूपा रही सी
तु मेरे नाल साझा करदी त, चग्गी होन्दी

तेरी अन्खिया दे हन्जु वैख
मै तेनु पढ़ रेहा सी
तेरे हन्जुआ नाल गल्ला करके
मै तेरे दिल दे हाल नु समझ रेहा सी

तेनु खुश रखण दी, पल पल दी कोशिश
मै हर वैले कर रेहा सी
तेरी अन्खिया तो निकलदे हन्जुआ नु
मै किते न किते रोक रेहा सी

मेनु लोड सी उस वैले तेरी
जद मै दुनिया तो कल्ला हो रेहा सी
तेरा उस वैले साथ ना पा कर
मे भी किते न किते टुट रेहा सी

गल करदी त चग्गी होन्दी
मेरी गल नु समझदी त चग्गी होन्दी-

अधुरी कहानी चंगी

अधुरा ईश्क वी चंगा होन्दा ऐ
पूरा ईश्क आज कल किस नु होन्दा ऐ

जेडे ईश्क **नु तु** जिस्मा दा ना देके
तु आज पूरा करण नु फिरदा है

आज रूहा वाले ईश्क नु
तु मिट्टी विच टटोलदा है .....

अधुरा बन्दा वी चंगा होन्दा ऐ
पूरा होवे ता अर्थी होन्दा ऐ

अधुरा अक्खर अधुरी कहानी होन्दा है
पूरा होवे ता बन्द किताब होन्दा ऐ .....

अधुरी कहानी नु तु अधुरा ही रहण दे
अधुरी कहानी दा अपणा ही मजा होन्दा ऐ

पूरी कहानी नु पूरा करण वालेया
आज कल वडी.वडी कहानीया कौन सुणदा ऐ

अधुरी ईश्क दी कहानी नु तु अधुरा ही रहण दे
पूरी ईश्क दी कहनी दा एहसास किथे होन्दा ऐ .....

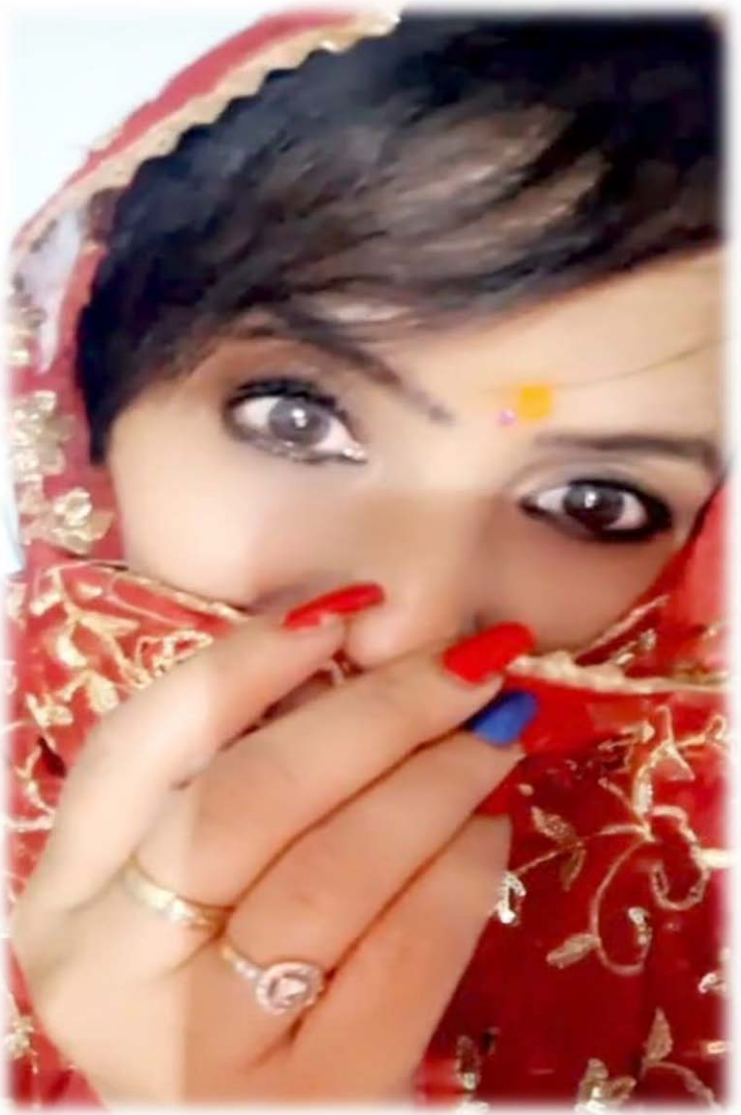

Social Activist

तेरी मर्जी

मै दिल दा बुहा खोल लेया हुण तेरी मर्जी
तु आवे या ना आवे ..... हुण तेरी मर्जी

तु आँख नाल आँख मिला या ना मिला....हुण तेरी मर्जी
मै दिल दा बुहा खोल लेया, हुण तेरी मर्जी

तु मेनु हिक नाल ला,..... या ना ला, हुण तेरी मर्जी
मै दिल दा बुहा खोल लेया, हुण तेरी मर्जी
तु आवे या ना आवे ..... हुण तेरी मर्जी .....

तु मेरी रूह उते समा या ना समा .... हुण तेरी मर्जी
मै दिल दा बुहा खोल लेया, हुण तेरी मर्जी
तु आवे या ना आवे ..... हुण तेरी मर्जी .....

तु मेरे नाम दी मुन्द्री पा या ना पा ... हुण तेरी मर्जी
मै दिल दा बुहा खोल लेया, हुण तेरी मर्जी
तु आवे या ना आवे ..... हुण तेरी मर्जी .....

तु मेनु अपनी यादा दा हिस्सा बना या ना बना.....
हुण तेरी मर्जी
मै दिल दा बुहा खोल लेया, हुण तेरी मर्जी
तु आवे या ना आवे ..... हुण तेरी मर्जी

सुपणा

रूह तो रूह दा ईश्क होवे
मेरे सुपने विच दिसदी तु होवे
सच्ची दस्सा... असी जिस्मा तो दुर
साडा रूह तो रूह **दे नाल** ईश्क होवे

साडा सुपणा हकीकत बण जावे
मै तेरी रूह दा राझा बण जावा
तु मेरी रूह दी हीर हो जावे

प्यार ते ईश्क दी दुश्मन दुनियाँ तो दुर
मै तेरी रूह विच खो जावा
तु मेरी रूह विच वस जावे

रब करे... साडा ख्वाब अधुरा ना रवे
असी तेरे ईश्क विच रंगे हाँ
तु मेरी रूह विच रंग जावे

इस बैगानी मतलबी दुनियाँ तो दुर
मै तेरी जिन्दगी बण जावा
तु मेरी जिन्दगी बण जावे...

प्यार सिखा गई कुडी (पंजाबी गीत)

मेनु प्यार सिखा गई कुडी
मेनु हिक नाल ला गई कुडी
मेनु प्यार सिखा गई कुडी
मेनु अपना बना गई कुडी ....

सुपणे विच आके मेनु नीद तो जगा के
मेरे नाल आँख मिला गई कुडी

सुपणे विच आके मेनु नीद तो जगा के
मेनु रूह तो ईश्क दा एहसास करा गई कुडी

आख मिला के मेनु नीद तो जगा के
मेनु अपना बना गई कुडी
मेनु प्यार सिखा गई कुडी .....
मेनु हिक नाल ला गई कुडी
मेनु प्यार सिखा गई कुडी
मेनु अपना बना गई कुडी ....

रूहा दा ईश्क

जेडा ईश्क युवाडी अक्खिया दे सामणे होवे
ओनू अक्खिया तो अक्खिया दा ईश्क केन्दे ने

जेडा सज्जण, युवाडी अक्खिया तो दूर होके वी
युवाडी रूह नु छु जावे, ओनू रूहा दा ईश्क केन्दे ने...

जेडा सज्जण अक्खिया विच वस जावे
राती ओदी याद सतावे,ईक पल वी निन्द्र ना आवे,
ओनु ही रूहा दा ईश्क केन्दे ने.....

पल पल मिलण नु, जी ललचावे
रब दो रूहा दा मैल करावे
ऐनू ही रूहा दा ईश्क केन्दे ने.....

दुर रहन्देया..... तेरी मेरी धड़क, ईक हो जावे
बिन मिलेया शाह ना आवे
तेरी आँख वैख के, साडी आँख चमक जावे
आँख नाल आँख मिलाके, ईश्क दा ईकरार करावे
सज्जणा,..... ऐनु ही रूहा दा ईश्क केन्दे ने.....

ईक तारा बोले (पंजाबी गीत)

ईक तारा बोले, ईक चिमटा बोले
बोले जग ये सारा.....
ईक तारे दी तार उते = 2
नाचे जग ये सारा.....

ईक ढोलक बोले,
ढोलक वाली ताल बोले
मस्ती वाली रात बोले
कुडीया दी मुस्कान बोले
दिल दी गल दिल रूह नु बोले
नाचे जग ये सारा
इक तारे दी तारे तार उते नाचे जग ये सारा
ईक तारा बोले .....

बई चमकीले दा तारा बोले
माणक साहब दिया कल्लीया बोले
मान साहब दी डफली बोले
नाचे जग ये सारा.....
ईक तारे दी तार उते नाचे जग ये सारा

ईक तारा बोले, ईक चिमटा बोले, बोले जग ये सारा .....

A
D
V
O
C
A
T
E

Khushi Sharma

नखरे वाली कुडी (पंजाबी गीत)

नखरे वाली कुडी आए हाए नी
कर गई दिवान कुडी आए हाए नी
लक नु हिला के, गुत नु घुमा के
गिदे विच छा गई कुडी आए हाए नी.....

ऐदी अक्ख दा ईशारा आए हाए नी
अक्खाँ विच मेरा ईश्क दिसदा आए हाए नी

सोणा सोणा मुखणा आए हाए नी
मुखडे उते मुस्कान आए हाए नी

लक नु हिला के गुत नु घुमा के
दिल उते छा गई कुडी आए हाए नी
नखरे वाली कुडी आए हाए नी .....

पैरा च चाझर आए हाए नी
छन छन करदी चाझन आए हाए नी
तेरे पैरा विच कसुरी जुती आए हाए नी
जुती पाके तेरा तुरना हाए हाए नी.....

नखरे वाली कुडी आए हाए नी

ईश्क विच जोगी

मै तेरे ईश्क विच जोगी बण जावा
तेरी रूह दा होके रह जावा

तु सोणी सस्सी हीर बणके आवे
मै तेरे ईश्क दा होके रह जावा

मै तेरे ईश्क दा जोगी बणके
तेरे कोल आके बे.जावा

दो ईश्क दिया गल्ला करदे.करदे
तेरी रूह विच ईश्क बणके रह जावा

आपा दोवे ईश्क दिया गल्ला करदे.करदे
आज मै तेनु, अपणी जाण वारके
ईश्क दी निशानी दे जावा। .....

सुपणा

जदो मै जम्मेया सी
मेरे सुपणे वी मेरे नाल जम्मे सी
कुछ लोका दी दुवावा सी
कुछ लोका दा प्यार सी .....

जिवे. जिवे मै वडडा हो रेहा सी
जिन्दगी दे सुपणे वी वडडे हो रहे सी
कुछ सुपणे पुरे होणे सी
कुछ अधुरे रहणे सी

ऐह सुपणेया दा बहुता पता नही सी मेनु
कुछ अरमान, कुछ सुपणे नाल जम्मे सी
जदो मै जम्मेया सी.....
ईक सोणी कुडी दी रूह दा ईश्क वी
मेरे नाल जम्मेया सी....

ईक रूहा दा सुपणा सी
जेडा किते ना किते पूरा होणा सी
ना जाने मेरा उस सोणी कुडी दी रूह नाल
केडी राह उते मेरा मिलण होणा सी

मेरा रूह तो रूह दा सुपणा उस सोणी कुडी दी रूह नाल
आज पूरा होणा सी ..... पूरा होणा सी ..... पूरा होणा सी .....

रोया ना कर

सज्जण तु रोया ना कर
ईश्क दी गल दिल विच लुकोया ना कर
अक्खाँ नाल अक्खाँ पाके, ईश्क दा ईकरार करया कर
सज्जणा तु रोया ना कर

तु दूर होवे त तेरे कोल आके बे जाईये
सज्जणा ..... तु नेडे हावे ता, अपणे ईश्क दा असर
तेरी रूह उते छड जाईये.....

अपणी रूह ते तेरी रूह नु ..... ईक करके
सज्जणा ..... आप्पा दोवे ईक हो जाईये
दिला ..... जमाना ईश्क दी गल करदा नही
असी ईक दुजे दी रूह उते खो जाईये

रूहा नु रूहा दा एहसास करा के
वाहेगुरू दे चरणी शीश झुकाईये
वहेगुरू दी मेहर साडी रूह उते हो जाणी ऐ
चल सज्जणा ..... आप्पा अपणा ईश्क निभाईये

ईश्क निभाईय ..... ईश्क निभाईये ..... ईश्क निभाईये .....

कवितावा लिखदा रेहा

तेरी फोटो नु वैख.वैख के
मै वी ईक ईक अक्खर जोडदा रेहा
अक्खर नु अक्खर नाल जोड के
तेरे करके..... मै कवितावा लिखदा रेहा

तु मेरे सामणे होवे या ना होवे
मै तेनु शब्दा राही साजोन्दा रेहा
मै हर अक्खर दी सोणी गानी पिरो के
अपणे ईश्क राही, तेरे गल विच पोन्दा रेहा

मै शब्दा नु शब्दा नाल जोड के
तेरी अक्ख दा सुरमा बणदा रेहा
तेरी सोणी चमकदी आँखा विच
मै तेरा प्यार बनके डुबदा रेहा

एक एक अक्खर बण के
मै तेरे गल दी गानी दा मणका बणदा रेहा
तेरे गल दी गानी विच मणका बन के
सज्जदा रेहा ....सज्जदा रेहा .....सज्जदा रेहा.....

तेरी फोटो नु वैख.वैख के
मै ईक ईक अक्खर जोडदा रेहा
अक्खर नु अक्खर नाल जोड के
तेरे करके..... मै कवितावा लिखदा रेहा

रूह दा ईश्क

रूह वाला ईश्क करागे
बिन बोले ईजहार करागे
तेरी रूह नाल प्यार करागे
सुबह दिन और शाम करागे .....

रूह तो रूह दा एहसास करागे
आज सज्जणा .... दी अक्खिया नाल करागे
साडे तो सज्जाणा, पावे दुरिया किन्नी रख ले
असी वी अपने दिल तो, तेरे दिल विच वार करागे .....

तेनु असी अपणे दिल दी धडकन बना बैठे हाँ
अपने दिल विच तेरी धडकन नु सजा बैठे हाँ
रब आगे अरदासा करके, तेनु अपना बैठे हाँ
तेरे दिल दी धडकन नु अपने दिल विच वसा बैठे हाँ

रूह वाला प्यार, तेरे नाल कर बैठे हाँ
तु सानु मिल या ना मिल सज्जाणा
असी अपणा प्यार तेरे तो वार बैठे हाँ
साडे प्यार दी उमर किन्नी हे, सानु नी पता
असी अपनी शाह तेरे नाम लिखा बैठे हाँ

ईक मुस्कान

ईक मुस्कान कदे मेरी सी
मुस्कान विच जिन्दगी तेरी सी
कदे हसके जिन्दगी हडां लेया कर
अथरू नु वी गल ला लेया कर

पुरानी यादा दे ओह साझा नु
कदे त तु वी गल नाल ला लेया कर
ऐह जिन्दगी ने तेनु कदे कुछ नही देणा
कदे रूठडे यार मना लेया कर

गल्ला गल्ला विच कुछ कह देया कर
गल्ला सुण के चुप रह लेया कर
गल्ला गल्ला विच गल वध जान्दी ऐ
चुप रह के, दिल नु समझा लेया कर

मस्त मलंगा वाग रह के
कदे रूठणे रब नु वी मना लेया कर

रब तो तेरी शाह है
रब तो तेरी धडकन है
रब ही तेरी मन्जिल है
रब ही तेरा जिउण दा शहरा ळें

मैनु प्यार हो गया

मेनु अपनी रूह तो वध के
तेरी रूह दा एहसास हो गया
इंज लगदा ऐ सज्जणा तेरी रूह नाल
मेनु आज प्यार हो गया

मेरी रूह दा, **तेरी** रूह नाल आज ईकरार हो गया
ईज लगदा ऐ सज्जणा ..... मै आज तेरी धडकन दा
सारी उमर दा पेरेदार हो गया

सदिया तो जेडी गल तो मै बचदा रेहा
आज मै ओही गल दा, गुनहागार हो गया
ईज लगदा ऐ सजणा
तेरी रूह नाल आज मेनु प्यार हो गया

तेरी अख्यिाँ तो गिरदे, हंजुआ दे मोती दी
मै अपने गल दी गानी बना लेवा
तु ईक वारी, हा ते कर सज्जणा ....
मै तेनु अपने दिल दी रानी बना लेवा

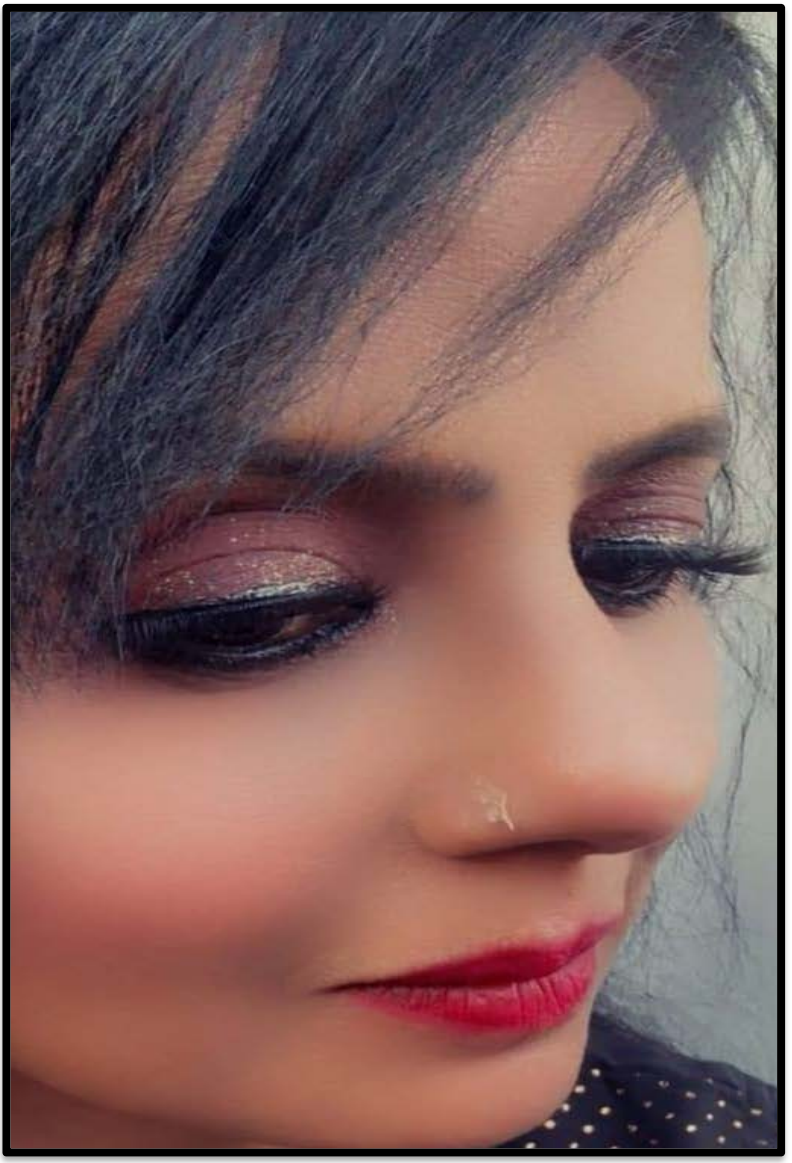

दूरियाँ विच एहसास

तु दुर रहकर भी मेरे एहसासो मे है।
तु मेरी कविता और शायरी के अल्फाजो मे है।

लिखता हु तेरी आखो की उन शरारतो पर
जो इश्क तेरा मेरा, आखो के एक ईशारे पर है

दिल मे आया तेरी जुलफो के उपर लिखु,
मगर क्या करू
मेरे दिल की मोहब्बत तो, तेरी ईन लहराती जुल्फो से है।

कलम उठा कर, दिल की गहराई मै बात आई
तेरे हाथो के उस चुडे के उपर लिखु
मगर क्या करू
तेरे चुडे की चमक, जो मेरी आखो पर है।

पहाडो की वादियो पर बैठा, तो ये ख्याल आया
तेरे माथे की बिन्दिया के उस लश्कारे के उपर लिखु.
मगर क्या करू
मेरा ईश्क, मेरा प्यार, मेरी मोहब्बत तो
तेरी बिन्दिया के उस लश्कारे से है।

ईश्क दी बरसात

बिन सज्जणा दे....ईश्क दी बरसात नी हो सकदी
बिन सुरमे, अख्यिाँ चार नी हो सकदी
जदो तेनु रूह वाला ईश्क हो जावे
बिन मिल्लेया मुलाकात नी हो सकदी

थुवाडी रूह नाल असी ईश्क लडाया हे
थुवाडी रूह नु असी दिल नाल लाया है
तु सोणा सुणखां, यार मेरा
मेरा ईश्क बणके आया है

आपा दोवा ने, अपणे ईश्क नु,
ईक दुजे दी खातिर, दुनिया तो लुकाया है।
इस रूहा वाले प्यार नु, असी दुनिया तो
दुर ले जाकर बचाया है।

सज्जणा... तु सोणे ईश्क दी खातिर
मेरी रूह विच समाया है।...

रूह दा प्यार

ईश्क विच रूहा दा प्यार है
ईश्क विच महसुस करे ता ईकरार है
मेनु बोलण दी लोण नी सज्जणा .....
ओदी अक्खाँ विच दिसरा मेनु प्यार है

गल्ला करदी करदी जेडी गल
सुर्ख गुलाबी बुल्ला चौ कह देन्दी ऐ
बुल्ला च ओदे फुल्ला वर्गे हास्से ने
ओह दिल तो रूहा वाली गल कह देन्दी ऐ

पैरा च ओह चाझर पाके
चाझर ओदी छन छन करदी ऐ
वेडे च ओह, जदो तुरदी रहन्दी
पैरा च ओदी चाझर रूहा तो ईश्क दी गल करदी ऐ.....

वक्त भी नही

तेरी गल्ला विचो मेरी रूह दा
कोई जिकर वी नही

तेरे दिल विच्चो मेरे प्यार दा
कोई फिकर वी नही

तेरी यादा विच्चो ..... सारेया दी याद होवे
तेरे दिल विचो साडी याद दा, कोई जिकर की नही.....

तेरी यादा विचो सारेया दे लेई वक्त होवे
पर सज्जणा....
साडे कोल गल करण दा, तेरे कोल आज
वक्त वी नही..... वक्त वी नही..... वक्त वी नही.....

पहली मुलाकात

तेरे नाल पहली मुलाकात
मेनु आज भी याद है।
तेरी अक्खाँ दी नटखट पहेलीयाँ
मेनु आज वी याद है।

तेरा वो नजरा तो नजरे चुराना
बिन बोले अक्खाँ अक्खाँ विच कुछ कह जाणा
मेनु आज वी याद है।

तेरी जुलफा दी लटकन
लटकन विच ओह शिकन, शिकन विच तेरी मोहब्बत
मेनु आज वी याद है।

ऐहो जी सुनसान रावा विच तेरे दिल दी गल
लफ्जा उते आन्दे आन्दे ठहर जाणा
सज्जणा... तेरे दिल दा ओह चोर
मेनु आज वी याद है।

तेरे हत्था दे चुडे दा
तेरे चुडे विच, मेरी रूह दा
मेरी रूह दा, तेरे चुडे तो
साडा दिल लगाणा, मेनु आज वी याद है।

साथ दे दे

अपणी जिन्दगी दा, मेनु तु साथ देदे
ढलदी शाम विच तु मेनु खुबसुरत मुलाकात देदे
सवेरे सवेरे चिडीया दी चीची विच
तु मेनु आज अपणी आवाज देदे

बीती शाम विच चलदी ठण्डीया हवावा दे नाल
तु आज मेनु, अपणे होण दा एहसास देदे

ईक दिन मिलागे, ईक शाम विच
सस्ती जी चाय ते **10** रु दे समोसे नाल
तु मेनु बे-मतलब दी गल्ला दा
तु अपणे होण दा एहसास देदे

सुरज जेहोजी चमक जेडी तेरी अक्खाँ विच है
तु मेनु हनेरे तो निकाल, अपणी अक्खाँ दे उजाले विच
आज तु मेनु रहण दा एहसास देदे

तेरी चुडिया दी छन छन विच
मै तेरी धडकन पहचान लेवांगा
तु, मेरे दिल विच ईश्क दा एहसास बण के
अपणी रूह विच होण दा, आज एहसास देदे....

आखियाँ दी खुशी

अपनी अक्खियाँ दी खुशी दी
तु मेनु आज निशानी देदे

ऐ आक्खियाँ नु तू ऐवे सताया ना कर
ऐ आक्खियाँ विच तू मेनु ईक कहानी देदे

केडी कहानी तू आक्खियाँ विच लुकोई होई ऐ
ऐ कहानी विच तू, आज मेनु इक जवानी देदे

केडी रूहा वाली गल करदी, आज तेरीया आक्खियाँ
आक्खियाँ विच समुद्र दी तु, आज मेनु गहराई देदे

आज तेरी आक्खियाँ बहुत कुछ कहणा चोन्दी ऐ
आक्खियाँ नाल आक्खियाँ मिलोणा चोन्दी ऐ

दिल वाली गल दिलबर नु कहणा चोन्दी ऐ
अपनी शाह तेरे नाम लिखवाणा चोन्दी ऐ

अपने दिल दा बुहा खोल..... **2**
अपणे दिल विच तेनु रखणा चोन्दी ऐ.....

जिस्म

जिस्म मे एक जिस्म है
जिस्म मे एक रूह है
रूह मे एहसास है
और एहसास मे प्यार है .....

प्यार तो दिल से है
और दिल में धडकन है
धडकन मे जिन्दगी है
और जिन्दगी मे तु है .....

जिस्म मिट्ठी है, मिट्ठी मे बिज है
बिज मे पौधा है, पौधा मे फुल है।
फुल मे खुशबु है, खुशब मे महक है
महक मे ईश्क है, और ईश्क मे मै हुँ .....

और मुझमे तु है, तुझमे खुदा है
जहाँ खुदा है, वही ईश्क है।
वही ईश्क है। .... वही ईश्क है। ..... वही ईश्क है।

हवावा दा ईश्क

ऐह हवावा वी अपनी लगदी ऐ
ऐह आसमा वी अपणा लगदा ऐ

ऐह ख्वाब भी अपणा लगदा ऐ
ऐह सुपणा वी अपणा लगदा ऐ

ऐह हवावा दा रूख वी अपणा लगदा है
हवावा दे विच ईश्क वी अपणा लगदा ऐ

तेरी अक्खा दी चमक वी अपणी लगदी ऐ
सज्जणा... तेरी पल्का वी अपणी लगदी ऐ

तेरे सुर्ख गुलाबी बुल्ला दी मुस्कान वी अपनी लगदी ऐ
तेरे मुखडे दी खुशी वी अपणी लगदी ऐ

तेरी रूह वी मेनु अपणी लगदी है
तेरी धडकन वी आज मेनु अपणी लगदी ऐ

तेरी शाह वी मेनु अपणी लगदी ऐ
चलदी ऐह फिजावा वी अपणी लगदी ऐ

तेरी अक्खाँ दा ईशारा वी अपणा लगदा ऐ
तेरे दिल दा एहसास वी अपणा लगदा ऐ
मिल रेहा आज .....ईश्क वी अपणा लगदा ऐ.....

चाँद बाबे नाल गल किती सी

चाँद बाबे नु वैख के, आज मै गल कीती सी
आज मै ईश्क नु मनोण लेई, मै आज गल कीती सी
चाँद बाबे नु वैख के.....

सज्जणा दे दिदार पोण वासते, रूठे यार नु मनोण वासते
मै आपणे रूह दी सौ खाके, मै आज गल कोती सी
दिल दा बुहा खोल के, तेनु अपनी रूह विच वसोण वासते
मै आज गल कीती सी
चाँद बाबे नु वैख के.....

मै आज अपणे आप नु भुल के, तेनु अपनोण वासते,
मै आज गल कीती सी, चाँद बाबे नु वैख के.....

चांद बाबे दे नाल

आज मे अक्खाँ नाल अक्खाँ पाके
आज यार दा सोणा मुखडा वैख के
मै आज गल कीती सी
चाँद बाबे नु वैख के.....

तारेया दे नाल मै राता गुजार के
अपनी हीक विच हाथ रख के
सोणे यार दी यादा दी सो खाके
आज मै गल कीती सी
चाँद बाबे नु वैख के.....

शायर दे अल्फाज

मै किसे शायर दी, शायरी बण जावा
मै ओदे लफ्जा दी, इक किताब बण जावा
जदो वी लिखे, शायर ओह शायरी
मै शायर दे लफ्जा दी, ईक खुबसुरत किताब बण जावा

कदे शायर दिल दी गल करे, ते कदे रूहा दि, गल करे.....
कदे ओदी अक्खाँ दी गल करे
कदे ओदे सुर्ख गुलाबी बुल्ला दी गला करे
ते कदे सुर्ख गुलाबी बुल्ला तो
सोणे सोणे अल्फाज सुनण दी गल करे.....

कदे ओदी चाझर दी गल करे
ते कदे ओदी, कसुरी जुती दी गल करे
कदे ओदी आंख सैतानी दी गल करे
सैतानी आंख विच ईश्क दी गल करे

मेनु वी ओदी चाझर दा घुघरू बना रब्बा
मै वी छम.छम ईश्क दी गल करदा फिरा

मेनु ओदे गल दी गानी दा मणका बना रब्बा
मे वी ओदे गल विच सज्जदा फिरा
मेनु ओदे हाथ, अपणे हाथ विच, सोणा लगदा ऐ
ओदा हाथ मेनु जिन्दगी भर थमा रब्बा

मेनु ओदे हत्था दी मुद्री बणा रब्बा
मै मुद्री विच हिरा बण के
ईश्क तो रूह दी गल करदा फिरा.....

बुटा ईश्क दा

ईक बुटा ईश्क दा लगावागे
इस दुनिया नु आपा दिखावागे
सच्चे ईश्क दी रित नु निभावागे
वफाादारी कि होन्दी, करके दिखावागे

तेरे ईश्क विच, रूह दी कहाणी बण के
तेरी रूह उते मर जावागे...

सज्जणा.... तेरी अक्खिया विच
साडे ईश्क ते प्यार दी कहानी
इक दुजे दे दिल विच रहन्दीया ने
ये रूहा वाली, सच्चे प्यार दी कहानी
आज कल लोका नु किवे समझ ओन्दीया ने .....

सच्चे ईश्क नु, रूह तो रूह वाला ही जाणे
जिस रूह नु, आज तेरी रूह नाल ईश्क होया है

सच्चे ईश्क नु, मेरा वाहेगुरू जाणे
सज्जणा,.... जिसने तेरी और मेरी रूह नु
प्यार दे ईश्क विच रगेया है।

गल कर ले यारा ....

गल करके वैख ले यारा ...
रूठे ईश्क नु मना के वैख ले यारा

कल्ली बेके तेनु चेते करदी होवेगी
ओनू ईक वारी मिल के वैख ले यारा
कल्लेया ओदा तेरे बिन दिल नी लगदा
ओनू आज हिक नाल, लाके वैख ले यार .....

ओदे दिल नु, अपनी रूह विच समाले यारा
ओदा हाथ अपणे हत्थ विच रख ले यारा

ओदा हाथ फडके
ओदे दिल दी गल साझी कर ले यारा
आज तु वी अपणे दिल दी गल कह दे यारा

आज तु वी ओदी जिन्दगी दा राझा बण जा यारा
ओनु वी अपणी जिन्दगी दी हीर बना ले यारा
आज ओदी अक्खाँ दा सुरमा बण जा यारा
सुरमा बण के ओदी अक्खाँ विच वसजा यारा

ओदी अक्खाँ दी चमक बण जा यारा
ओदी अक्खाँ विच आज वस जा यारा
ओदी रूह वी आज तेरी रूह नु टटोलदी पई ऐ

तु वी आज ओदी रूह नु लबले यारा

ओदी अक्खाँ वी आज चमकदी पई ऐ

सज्जणा .... तेरी अक्खाँ वी आज कुछ बोलदी पई ऐ
ओदे दिल दी कहानी आज सुनले यारा
तु वी अपनी कहानी ओनू आज सुना दे यारा.....
.....

अपणे रूह दी गल

अपणे रूह तो, दिल नाल दिल दी गल
आज मै लिख देनी है
अपने दिल दी गल, आज मै तेनु कहणी है

रूहा दा ईश्क, आज सिर चढके बोलेगे
जिस्मा दा ईश्क, आज मिट्टी विच रूलजेगा

सच्चे ईश्क दी गल, आज निराली है।
रूहा वाले ईश्क दी आज दी ये कहानी है।
रूहा दी गल आज तेरी अक्खाँ कहन्दी ऐ
तेरी अक्खाँ वी आज दिल दा ईशारा करदी ऐ

तेरी गल दी गानी नु, आज मे सजाके
अपने नाम दा गानी विच मणका पाके
रूहा वाली गल करदा मणका
तेरे मेरे ईश्क दी माला जपदा मणका

तेरे कान दा झुमका, नाक दा कोका
जेडा नाम वाहेगुरू दा लेन्दा कोका

तेरे पेरा च चाझर, पैरी जुती
चर चर ईश्क दी गल करदी जुती.....

असी तेरे शहर आये सी

सज्जणा..... आज असी तेरे शहर आये सी
अपनी रूह नु तेरे कोल छडन आये सी
तेरे दिल दा हाल वडण आये सी
तेरी रूह नु आज मिलन आये सी

तेरे अथरू नु आज पोचण आये सी
अक्खिया नाल अक्खिया मिलोण आये सी
अपने दिल नु, तेरे दिल दे वुहे कोल, छडन आये सी
तेनु अपनी हीक नाल आज लोण आये सी

तेरे पैरा विच जुती पहनावण आये सी
तेरे पैरा विच चाझर बन्धन आये सी
तेरी आँख दा सुरमा बणके तेरे कोल आये सी,
तेरे सुर्ख गुलाबी बुल्ला चौ सोणी.सोणी
गल्ला आज सुनण आये सी

तु सानु चेते कर करके रोन्दी होन्दी सी
तेरी यादा नु आसी आज सज्जावण आये सी
तेरे सोणे मुखडे नु रोन्दा वैख के
असी अपनी हंसी नु तेरे कोल
आज छडन आये सी....

ईश्क दा एहसास

आज ईश्क नु ईश्क दा एहसास कराईये
आज दिल नु दिल नाल लाईये
आज रूह तेरी वी वेचेन होवेगी
ईश्क मेरे नु चेते कर कर के .....

आज ईश्क तेरा मेरा रूहो जम्मेया
जिथे आज सतगुरू दा वास होया
साडे ईश्क नु भाग लग जाणगे
जदो सतगुरू, साडी रूहा विच वस जाणगे

लिख रेहा सी, कल्ले बेन्देया, ईश्क दीया गल्ला
शब्द ना मेरे कोल, ईक सी

जदो रूह तो रूह दे नाल, मेनु ईश्क होया
आज लिखण नु ईश्क दिया गल्ला दी माला दे
सोणे सोणे अक्खर, आज मेरे कोल सी....

मैल करा दे रब्बा

आज ईश्क नु ईश्क दा हाथ थमा दे रब्बा
आज रूह नु रूह नाल मिला दे रब्बा

रूहा ईक दूजे नु दुरो चेते करदीया ने
ते लफ्जा कोल कुछ ना कहन्दीया ने
आज ऐदा दा कोई चमत्कार करा दे रब्बा
दो ईश्क करण वाली रूहा दा मैल करा दे रब्बा

मेरी जाण वी मग्गे ता खुशी खुशी दे देयागा
दो सच्चे प्यार करण वाली रूहा नु मिला दे रब्बा
और किन्नी परीक्षा लेणी है तु सच्चे प्यार दी
इस सच्चे ईश्क दा मैल करा दे रब्बा

हाल पुछ ले रब्बा दो रूहा दे दिल दा
ईन्हा रूहा दे दिल विच तेनु ईश्क ही लब्णा
लब्दा फिरे जमाना ईश्क नु जगला उते
ईश्क ता दोहा रूहा दा दोहा दे दिल विच लब्बेयाँ

Esha Dave (Profesional Model / Actress)

mumbai

रूह विच वसण नु जी करदा

अपणे यार नु किवे मनाईये
आपणे दिल दी गल किस नु सुनाईये
कल्ले बै बै अक गये हाँ
तेनु चेते कर कर थक गये हाँ

अक्खिया मिलोण नु जी करदा
तेरे नाल इक प्याला चाय दा पिउण नु जी करदा

तेनु दिल दीया गल्ला सुनोण नु जी करदा....
तेरी अक्खिया विच डुब जाण नु जी करदा.....

वक्त साडे लेई वी कड ले यारा
तेरे नाल घुमण घुमोण नु जी करदा
अक्खाँ नाल अक्खाँ पाके
तेनु दिल दा हाल सुणोण नु जी करदा

किते दुर, आपा इस दुनिया तो हो जाईये
आज तेरा हाथ फड के सारी उमर लंग जाण नु
जी करदा

तेरी रूह विच वसण नु जी करदा .....

ईश्क दी बाजी

ईश्क दी वाजी जिउण नु, पोडी पोडी चढना पेन्दा ऐ.....
अपनी दिल दी गल, अपणे यार दे दिल तक
पहुचाण लेई, जिती बाजी नु वी , हारना पेन्दा है।

अपणे ईश्क नु अपणे यार दी, अक्खाँ विच देखण लेई
कदे कदे चुप वी रहणा पेन्दा ऐ .....

कदे कदे अपणे सज्जणा नु, प्यार दा एहसास करोण लेई
ओदे गल दी गानी दा मणका वी बनणा पेन्दा ऐ .....

कदे कदे थुवाडा ईश्क यार रूस जावे ता
ओनू अपणे दिल विच वसा के
अपणे प्यार नु मनोणा वी पेन्दा ऐ .....

कदे कदे थुवाडा ईश्क युवाडी, अक्खिया तो दुर होवे त
ओदी यादा नु वी अपणी जिन्दगी दा, हिस्सा बनोणा पेन्दा ऐ

जिस ईश्क दी राह ते तु गुजरी होवे....।
सानु वि उस राह ते गुजरना पेन्दा है .....।।
तेरे ईश्क दी राह उते पहुचण लेई
सानु वी तेरी राह उते फुल विछोणा, पेन्दा ऐ .....

ईश्क दी वाजी जिउण नु
पोडी पोडी चढना पेन्दा ऐ.....

कोयल दी कूक

कोयल दी कूक विच
असी तेरा ईश्क तराश लेया

तु मेर तो हुण दुर नही ..... क्यो कि
तेरी रूह नु असी अपणे दिल विच उतार लेया

कोयल दी कूक विच
मै तेरी आवाज नु पा लेया
तु मेरे कोल आवे या ना आवे
कोयल दी कूक विच, तेरा ईश्क पाक पवित्र
मै अपणे दिल विच तेरी रूह नु वसा लेया

कोयल दी कूक विच मै अपणी आवाज देके
अपणी रूह तो, तेरी रूह नु पुकार लेया
तेरा हाथ फड के, रब दी सौ खा के
मै आज तेरा प्यार पा लेया .....
कोयल दी कूक विच
असी तेरा ईश्क तराश लेया

सुपणा

ऐदा दा कोई सुपणा होवे
तु मेरी जिन्दगी दा किस्सा होवे
तेरे नाल बेके, अक्खाँ विच अक्खाँ पाके
मेरे दिल दी गल नु, तु आज फडेया होवे
ऐदा दा कोई सुपणा होवे

अक्खाँ नाल, अक्खाँ पाके
तु मेरी दिल दी आवाज नु सुणया होवे
तु मेरे हाथ उते हाथ रख के
असी जिन्दगी भर जन्म जन्मा दे लेई
इक दुजे दा हाथ फडडेया होवे

अक्खाँ नाल अक्खाँ पाके
आँख दा ईशारा कित्ता होवे
कुछ तेरे दिल दी सुणी होवे
कुछ अपने दिल दी सुणाई होवे

ईक दुजे दा हाथ फडके
ईक दुजे दी दिल दी धडक सुणी होवे
इस रूहा वाले प्यार नु
असी दिल तो रूह दा एहसास कित्ता होवे
ऐदा दा कोई सुपणा होवे
तु मेरी जिन्दगी दा किस्सा होवे

केडी गल लिखा

केडी गल लिखा, तेरे ईश्क करके
जेडे अल्फाज तेरी रूह नु छु जावे।
केडी गल कहा अपणी कलम राही
जो तेरी रूह उते वस जावे .....

केडी कहानी लिखा, मै अपणे दिल दी
जो तु मेरी जिन्दगी दी कहानी बन जावे
किवे ब्या करा तेरा ईश्क अपनी कलम तो
मेरी कलम तेरी धडकन दी जिन्दगानी लिखदी होवे

मेरी कलम तेरी जुल्फा दी, गल्ला करदी ऐ
तेरी लहराती जुल्फा उते, ईश्क मोहब्बत दी
कहाणी लिखदी ऐ .....

ईश्क नु रूह उते वसोण लेई मेरी कलम
बिन बोल्ले आख विच आख पाके
ईश्क दा ईशरा करदी ऐ

केडी गल लिखा, तेरी शाह उते
मेरी कलम दा ईक ईक अक्खर
तेरी शाह उते वस्सेया ऐ .....

लिखण नु ते, मै, तेरे मेरे प्यार दी
जिन्दगानी लिख देया, मगर... कि करा

तु मेरी कलम ते शब्दा नु
तु अपणे दिल विच वस्सा रखेया ऐ .....

केडी गल लिखा, तेरे ईश्क करके
जेडे अल्फाज तेरी रूह नु छु जावे।
केडी गल कहा अपणी कलम राही
जो तेरी रूह उते वस जावे .....

Dance choreographer

जिस्मा तो कि लेणा

जिस्मा तो कि लेणा .....
रूह दा एहसास रूह नाल होवे
नफरत दा ईश्क नाल कि लेणा देणा
ईश्क दा एहसास ईश्क नाल होवे।

तु पावे मेर तो लख दुर जाके बैंजा
तेरे प्यार दा एहसास मेनु रूह नाल होवे .....

तेरा मेरे दिल तक,ओण दा एहसास
मै आँख बन्द करके कर लेयागा
क्योकि ..... तेरे ओण दा एहसास,
सिर्फ और सिर्फ, मेरी रूह नु होवे।।

लख चोरासी कट के, कई जन्म लेके
तेरा ईश्क बण के, तेरे कोल आया हा

तु हिर वण के, मेरे ईश्क नु पुकारदी सी
मे तेरा राझा वण के, तेरे ईश्क दी रीत नु
इस दुनिया विच निभाउण आया हाँ

जिस्मा तो कि लेणा .....
रूहा दा तेनु एहसास कराके
तेरा ईश्क बण के, तेरा राझा तेरे कोल आया हाँ ....

यादा दा सिकन्जा

तेरी यादा दे सिकन्जेया विच
मै अपणे आप नु बाध लेया

तेरे नाल बिताया सी, जेडा खुबसुरत पल
ओह पल नु मै अपणी,यादा विच सजा लेया

जेडी राह उते, असी अपणी यादा दे पल बितादे सी
आज मै ओही रावा दी यादा नु
अपणी यादा दा सोणा जिन्दगी दा
किस्सा बना लेया .....

तेरे नाल गल होवे, या ना होवे
ये रब दी मर्जी ..... मगर
मै तेरी हर गल नु, यादा नु , रूह विच वसा लेया .....

Thanks for Supporting!!!

रूह तो दिल दिया गल्ला ...

Heart Beat

Entertainment's